[Dr. Narneedy Thulasi Reddy]

in giving clearance to power projects in Andhra Pradesh is directly reflected on the Prime Minister. So I request the Government to clear the pending thermal ower stations. (ends)

श्री मोहम्मद खलीलुर्रहमान (आंध्र प्रदेश) : मैं भी एसोसिएट होता हूं सर और उनकी जो डिमांड है, हुकूमत से मैं मतालबा करता हूं कि जल्दी से जल्दी उसको पूरा किया जाए ।

†جناب محمد خلیل الرحمٰن : میں بھی ایسوسی ایٹ ہوتا ہوں۔ سر اور انکی جو ڈیمانڈ ہے حکومت سے میں مطالبہ کرتا ہوں کہ جلدی سے جلدی اس کو پورا کیا جائے۔

SHRI MOTURU HANUMANTHA RAO (Andhra Pradesh): Sir, please permit me to associate myself with the points raised by hon. Shri Giri Prasad. The point here is this. The Minister for Petroleum is here. Yesterday, the Minister of State for Power had been announcing that for Jegurupadu and Visakhapatnam plants techno-economic permission was given in July and the latest position is that they are not given gas at all.

Sir, I hope that the hon. Minister will see that gas is supplied immediately. More approval i not enough. Gas must be supplied. I hope that he would do it.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Mr. Vice-Chairman, since I come from Andhra Pradesh I would like to associate myself with this. At one time Andhra Pradesh was a surplus power State. It has since become a deficient power State. It is affecting the industrial progress, agricultural progress, etc. I, therefore, associate myself with the points made by Mr. Giri Prasad.

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

Reported deaths due to a mysterious Disease in Bihar

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इस विशेष अविलंबनीय लोक महत्व के उल्लेख के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृर्षित करना चाहता हूं ।

महोदय, बिहार प्राकृतिक आपदाओं का शिकार वर्षों तक रहा है, कभी सूखा कभी बाढ़, कभी भूकम्प और कभी महामारी । लेकिन आज का जो मामला है जिसे मैं सदन में उठा रहा हूं वह दूसरे ही प्रकार का और बहुत ही गंभीर मामला है ।

महोदय, पटना के अनेक मुहल्लों में एक रहस्यमय बीमारी फैली हुई है जिसका सबसे बड़ा शिकार वहां का एक बीच का घना मुहल्ला लोहानीपुर और कदमपुर है जहाँ लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी रहते थे, वह हुआ है । यह बीमारी एक मस्तिष्क रोग की तरह है जिसमें मरीज दर्द और मिचौली महसूस करते हैं, बेहोश हो जाते हैं । डॉक्टरों को पता नही चल पा रहा है कि यह कौन सी बीमारी है ।

इस संबंध में बिहार सरकार ने इस रहस्यमय बीमारी की रोकथाम के लिए केन्द्र से विशेषज्ञ दल भेजने और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है । बिहार की राजधानी पटना में फैली यह बीमारी धीरे धीरे अन्य जगहों में भी फैल रही है । मरने वालों की संख्या भी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है । पटना में लगभग 50 लोग अब तक इस बीमारी के शिकार हो चुके हैं और मर चुके हैं और वहां के अस्पतालों में दर्जनों में मरणासन्न लोग संकट में पड़े हुए हैं । मुझे इस बात की जानकारी मिली है कि बिहार के मुख्य मंत्री ने प्रधान मंत्री श्री पी०वी० नरसिंहराव जी को एक विशेष संदेश भेजकर इस संकट का निराकरण करने के लिए विशेष मदद मांगी है । बिहार सरकार ने केन्द्र से अनुरोध किया है कि वह

महामारी की तरह फैल रहे इस रोग की पहचान करे और इसके उपाय सुझाने के लिए कोशिश करे और स्वास्थ्य मंत्रालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों का दल तुरन्त बिहार भेजे । मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि वह इस संबंध में उचित कार्यवाही करे और पीड़ितों की सहायता के लिए आवश्यक प्रबंध करे...

श्री रजनी रंजन साहू (बिहार) : आप किसको सुना रहे हैं ? ...

श्री शंकर दयाल सिंह : महोदय, इससे बढ़कर गंभीर मामला कोई हो नहीं सकता कि यहां एक भी मंत्री नहीं है । मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि...

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Mr. Vcie-Chairman, the Government is unrepresented. (Interruptions)...

SHRI MENTAY PADMANABHAM (Andhra Pradesh): Mr. Vice-Chairman, there is not a single Minister. What has happened to this Government? (Interruptions) ... Where is the Government (Interruptions)..

SHRI S. JAIPAL REDDY: Mr. Vice-Chairman, I request you to adjourn the House. (tnterruptions)... We request you to adjourn the House. (Interruptions)... You kindly adjourn the House, Sir. (Interruptions)... what is happening to the Government? (Interruptions)...

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI (Gujarat): When there is no Minister, what is the point in his making a special mention (Interruptions)...

AN HON. MEMBER: The Minister is on his way. (Interruptions)...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS WITH ADDITIONAL CHARGE OF MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI S. KRISHNA KUMAR): I went to the toilet. (Interruptions)...

SHRI S. JAIPAL REDDY: That is okay. (Interruptions)... Mr. Vice-Chairman, we have the biggest Ministry in the history of India and if one Minister goes to the toilet the whole Government is unrepresented in the House. (Interruptions)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): I think the Minister will discuss it with the Parliamentary Affairs Minister to avoid this kind of an embarrassing situation for the Government in future. (Interruptions)...

SHRI RAJNI RANJAN SAHU: You are wise after the event.

श्री शंकर दयाल सिंह : महोदय, मैं माननीय सदस्य रजनी रंजन साहू जी का बहुत ही अनुगृहीत हूं कि उन्होंने इतनी महत्वपूर्ण बात की और ध्यान दिलाया कि एक भी मंत्री सदन में नहीं है । मैं आशा करता हूं कि अगले दिन शपथ में कम से कम उनको चांस मिलेगा मंत्रिमंडल में आने का जिससे कि कम से कम वे बैठे हुए यहां मिलेंगे ।

श्री रजनी रंजन साहू : वाइस चेयरमैन मैंने यह नहीं कहा । मैंने यह पूछा था कि आप इतनी महत्वपूर्ण समस्या किस को सुना रहे हैं । इनको कहना चाहिए था मैं चेयर को सुना रहा हूं ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): Anyway, the voice of the House reached the toilet and the Minister immediately came here. Now we proceed with the business.

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI: I hope he has done the needful. I don't want anything of that kind to happen here.

SHRI S. KRISHNA KUMAR: I was saying my respect to the hon. Member.

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH: The Minister went there for Dirgh Kaarya or Laghu Karya.

SHRI S. KRISHNA KUMAR: That was just due to oversight. I did not realise that there was no other Minister present.

श्री शंकर दयाल सिंह : इतना मैं जरूर कहना चाहता हूं सदन में जब बिहार का मामला, महामारी का मामला या कोई गंभीर मामला उठता है तो मंत्रियों को बाथरूम जाने की जरूरत पड़ जाती है । वहां सहायता भेजने की तरफ उनका ध्यान बहुत कम जाता है । आप का समय अधिक नहीं लेना चाहता । मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि जिस रहस्यमय बीमारी का जिक्र मैंने पहले किया जो बिहार की राजधानी पटना में और दूसरी जगहों पर फैली हुई है उसके लिए निश्चित रूप से सरकार अविलम्ब ध्यान देते हुए आवश्यक राशि, दवा तथा चिकित्सक दल वहां भिजवाएं, यह मेरा अनुरोध है ।

SHRI S. JAIPAL REDDY: Mr. Vice-Chairman, I want to draw your attention to one thing. Mrs. Margaret Alva was to respond to the point which we made about Mr. Win Chadha. We would like to know as to when she will respond. Are we to wait indefinitely in this House for that. We would like to know when will she intervene.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): So far there is no information about when the Minister would respond to the point raised. I hope the representative of the Government here will find out whether the Minister would be in a position to come today or not.

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH: Sir, only six Members of the ruling party are sitting here. What a mockery of the democracy!

Need to Greater use of hand-made Paper to save trees and environment

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : वाइस चेयरमैन साहब, मैं जिस मसले पर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं उसका मौजू है

"Save trees, save environment, use hand-made paper"

मोहतरम, कागज की खपत हिन्दुस्तान में दिन प्रतिदिन बढ़ रही है । लेकिन कागज को बनाने के हमारे पास दो ही तरीके हैं ।

[उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) पीठासीन हुए] :

या तो हम इम्पोर्ट करते हैं या हम उसको मुल्क में बनाते हैं और जो कागज हम बनाते हैं उसके लिए दरखतों को काटना पड़ता है, पेड़ों को काटना पड़ता है । के०वी०आई०सी० गवर्नमेंट आफ इंडिया की मिनिस्ट्री आफ इंडस्ट्री के तहत आने वाला एक इदारा है । खादी एंड विलिज इंडस्ट्री बोर्ड ने कुछ साल पहले हैंडमेड पेपर जो वेस्ट कपड़े और वेस्ट कागज से बनाया जाता है बनाना शुरू किया । लेकिन आज लाखों रुपये की इसकी इंडस्ट्री सिक पड़ी हुई है । अफसोस की बात यह है कि न सिर्फ अवामी सतह पर हैंडपेपर को इस्तेमाल करने के लिए कोई अभियान चलाया जाता है बल्कि खुद सरकार भी इस पर ध्यान नहीं देती । मैं यह कहना चाहता हूं सिर्फ एक इदारा है जो देश का